

(ख) इन राज्यों के कक्ष क्या हैं जिन्होंने गीहत्या कर लोक नहीं बनाई है ?

कृषि और किसानों संभालय में उपमन्त्री (श्री प्रमोदराज खोल) : (क) संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची 2 की प्रविष्टि 15 में पशुओं का संरक्षण, रक्षा और सुधार राज्यों का विषय है। अतः उपर्युक्त न्यायालय द्वारा की गई व्याख्या के अनुसार संविधान की धारा 48 के क्रियान्वयन की धार राज्यों/सब राज्य क्षेत्रों का ध्यान धारकित किया गया है। फिर भी, इस मामले के सभी पहलुओं की जांच करने और सरकार को अपनी सिफारिशें देने के लिये एक गोरखा समिति गठित की गई है। समिति के 31 मई, 1976 तक सरकार को अपनी रिपोर्टें देने की आज्ञा है। समिति द्वारा अपनी रिपोर्टें वेक करने और सरकार द्वारा इनकी सिफारिशों पर निर्णय ले लेने के बाद इस संबंध में उपयुक्त कानून बनाया जाएगा।

(ख) सूचना एकत्र की जा रही है और यथा-समय सभा-पटल पर रख दी जाएगी।

दिल्ली में तम्बुओं में चल रहे स्कूल

2013. श्री श्रींकार लाल बेरवा : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में इस समय कितने स्कूल तम्बुओं में चल रहे हैं; और

(ख) इसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग में उपमन्त्री (श्री डी० १० बाबूबा) : (क) दिल्ली प्रशासन, नई दिल्ली नगर निगम, दिल्ली छावनी बोर्ड तथा दिल्ली नगर निगम द्वारा भेजी गई अपेक्षित सूचना निम्नलिखित है :—

(i) दिल्ली प्रशासन : 64 स्कूल पूर्ण रूप से तम्बुओं में और 97 स्कूल प्राथमिक

रूप से तम्बुओं में, प्राथमिक रूप से बच्चों में कार्य कर रहे हैं।

(ii) नई दिल्ली नगर निगम : 5 स्कूल तम्बुओं में कार्य कर रहे हैं।

(iii) दिल्ली छावनी बोर्ड : सभी स्कूल भवनों में कार्य कर रहे हैं।

(iv) दिल्ली नगर निगम : 130 स्कूल पूर्ण रूप से तम्बुओं में और 30 स्कूल प्राथमिक रूप से तम्बुओं में कार्य कर रहे हैं।

(ख) तम्बुओं में स्कूलों के कार्य करने के निम्नलिखित कारण हैं —

(i) भूमि प्राप्त करने में कठिनाईयां।

(ii) स्थानीय निकायो तथा दिल्ली नगर कला आयोग से नक्शो तथा भवन योजनाओं की मजूरिया/पास करने से संबंधित आज्ञा पत्र उपलब्ध करने की औपचारिकताओं को पूरा करने में विलम्ब।

(iii) धनाभाव।

दिल्ली में शंभेजों की मूर्तियां

2014. श्री श्रींकार लाल बेरवा : क्या निर्माण और आवास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) दिल्ली में शंभेजों की कितनी मूर्तियां अब तक लगी हुई हैं; और

(ख) इसके क्या कारण हैं ?

निर्माण और आवास तथा संसाधन-कार्य मंत्री (श्री के० रघुवरजीबा) : (क) शंभेजों की सभी प्रतिमाओं को जहां भी वे स्थापित भी वहां से हटा दिया गया था। तथापि, हटाने के बाद इन्हें कहीं न कहीं रखना ही था। इसलिये उन्हें किचनवे पार्क में रख दिया गया था। इसका अर्थ यह नहीं है कि इन्हें वहां स्थापित कर दिया गया है।